श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- माण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ | स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 21 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 फरवरी 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

माण्डवपुर तीर्थ में गुरु सप्तमी पर्व एवं संघशिल्पी आचार्यदेवेश्री के 45 वें दीक्षा दिवस पर अनेक आयोजन सम्पन्न

आचार्यश्री की शुभनिश्रा में गुरुमूर्त्ति की प्रतिष्ठा व पंचाह्निका महोत्सव

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघशिल्पी, आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण भगवन्त एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमणि भगवन्त की पावन निश्रा में बृहद् श्री अभिधान राजेन्द्र कोष के प्रणेता, प्रातःस्मरणीय, विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के 192 वें अवतरण एवं 112 वें पुण्य दिवस गुरु सप्तमी महापर्व एवं आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. के 45 वें दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में अतिप्राचीन श्री माण्डवपुर महातीर्थ में दो दिवसीय विविध आयोजन दिनांक 12-13 जनवरी 2019 को आयोजित किए गये।

दिनांक 12 जनवरी 2019 को मध्यप्रदेश के पूर्वमन्त्री एवं वर्त्तमान विधायक श्री पारसजी जैन के मुख्यातिथ्य में गुरु गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। विधायक श्री पारस जैन ने आचार्यदेवेशश्री द्वारा जिनशासन प्रभावना के अनेक कार्य करने के लिए मंगल भावना व्यक्त करते हुए स्वस्थ, निरोगी व दीर्घायु होने की मंगलकामना की। कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने गुरु की महिमा बताते हुए कहा कि गुरु होगा तब ही ज्ञान प्राप्त होगा। गुरु ज्ञान प्रदाता होने के साथ ही सद्मार्ग का दिशानिर्देशक होता है और शिष्य उस मार्ग का अनुसरण कर स्व-पर का कल्याण कर सकता है। उदयपुर से आए राष्ट्रीय कवि एवं गीतकार कुलदीप 'प्रियदर्शी' ने सस्वर काव्यपाठ करते हुए गुरुदेवश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की जीवन पर प्रकाश डाला तो सभा करतल ध्वनि से गूँजायमान हो उठी। संगीतकार त्रिलोक मोदी ने संगीतबद्ध गुरु महिमा का बखान किया। सभा के अन्त में आचार्यदेवेशश्री ने सभी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए माँगलिक श्रवण कराया।

सियाणा जैन संघ ने प्रदान की प्रतिष्ठा की पत्रिका

गुरु गुणानुवाद सभा में सियाणा जैन संघ के प्रतिनिधियों ने श्री माण्डवपुर महातीर्थ पहुँचकर सियाणा में 11 फरवरी 2019 को आयोजित होने वाली श्री केशरियानाथ राजेन्द्रसूरि प्रतिष्ठांजनशलाका को लेकर आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. को पत्रिका प्रदान की। जैन संघ सियाणा की ओर से श्री वसन्तजी भण्डारी ने गुरुदेव की पट्टपरम्परा के यशस्वी ऐतिहासिक शासन प्रभावक कार्य करने की मंगल भावना व्यक्त करते हुए शीघ्र सियाणा पधारने की विनन्ती प्रस्तुत की।

गुरु सप्तमी महोत्सव पर अनेक धार्मिक अनुष्ठान

दादा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. द्वारा उद्धरित अतिप्राचीन श्री माण्डवपुर महातीर्थ में गुरु सप्तमी महापर्व आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभ निश्रा में दिनांक 13 जनवरी 2019 को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सम्पूर्ण तीर्थ को फूलों एवं सुसज्जित रोशनी से सजाया गया।

गुणानुवाद सभा में अपनी वाणी प्रसरित करते हुए आचार्यदेवेशश्री ने कहा कि मनुष्य को एक-दूसरे के सुख-दुःख में भागीदारी निभाने के साथ ही धार्मिक कार्यों के लिए सदा तत्पर रहना चाहिये। गुरु हमेशा हमें जनकल्याण व प्राणीमात्र की सेवा का मार्ग दिखाते हैं। गुरु द्वारा निर्देशित सद्मार्ग पर चलने से ही हमारा कल्याण होता है तथा इस जीवन का उद्देश्य सफल हो जाता है। जैनाचार्यश्री ने गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरिजी म. सा. की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए आदर्शों एवं नियमों का पालन करने की सीख प्रदान की। इस अवसर पर निकटवर्ती ग्राम नगरों एवं अनेक नगरों के गुरुभक्त उपस्थित थे। तीर्थ परिसर के बाहर लगे मेले में आगन्तुकों ने खरीददारी करते हुए आनन्द उठाया।

पाँथेड़ी एवं सायला जैन संघ ने की विनन्ती

आचार्यदेवेशश्री से सायला जैन संघ के प्रतिनिधियों व शा. मोड़मलजी जोइताजी बाफना परिवार ने जीवित पंचाह्निका महोत्सव की पत्रिका प्रदान कर पधारने की विनन्ती की। साथ ही पाँथेड़ी जैन संघ के प्रतिनिधियों व आयोजक परिवार के श्री महेन्द्रभाई ने श्री रणसुख जयन्तसेन कृपा वाटिका उद्घाटन में पधारने के लिए गुरुदेवश्री से विनन्ती की।

तीर्थ परिसर में गुरु सप्तमी महोत्सव के अन्तर्गत आचार्यदेवेशश्री की निश्रा में श्री राजेन्द्रसूरि अष्टप्रकारी पूजा पढ़ाई गई। इसके अतिरिक्त नवकारसी, वार्षिक चढ़ावे, गुरुभक्ति एवं महाआरती आदि अनुष्ठान सम्पन्न हुए। इस अवसर पर पधारे विशाल संख्या में गुरुभक्तों ने तीर्थाधिपति श्री महावीरस्वामीजी एवं गुरु मन्दिरों के दर्शन-वन्दन किए।

यहाँ से विहार कर माण्डवपुर तीर्थोद्धारक जैनाचार्यश्री पाँथेड़ी में श्री जयन्तसेन कृपा वाटिका उद्घाटन समारोह में निश्रा प्रदान करते हुए सायला नगर में आयोजित पंचाह्निका महोत्सव में निश्रा प्रदान करने पधारे। शाह मोड़मलजी जोइताजी बाफना के विविध तप अनुमोदनार्थ उद्यापन सह जीवित जिनेन्द्र भक्ति पंचाह्निका महोत्सव एवं स्वर्ण सीढ़ी समर्पण समारोह आचार्यदेवेशश्री के भव्य सामैया के साथ प्रारम्भ हुआ।

महोत्सव के अन्तर्गत नित्य विविध अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। प्रवचन प्रदान करते हुए आचार्यदेवश्री ने कहा कि जीवन में मनुष्य की सभी क्रियाएँ व प्रवृत्ति सुख प्राप्ति के लिए है, जबकि वह सुख क्षणिक है। शाश्वत सुख इच्छाओं के त्याग में है। पिछले जन्मों में किए गए सुकृतों के फलस्वरूप प्राप्त पुण्य से जीवन में सन्तों की निश्रा में जीवित महोत्सव के आयोजन का अवसर प्राप्त होता है। मनुष्य का पुण्य सदा प्रबल रहता है। जो समय-समय पर पुण्यशाली आत्मा को बल प्रदान करता रहता है।

शेष पृष्ठ चार पर

Scanned by CamScanner

गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में गुरु सप्तमी कोरटाजी तीर्थ में मनाई

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी महाराजा के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में श्री कोरटाजी तीर्थ (राज.) में विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. का 192 वाँ जन्म एवं 112 वाँ निर्वाण दिवस गुरु सप्तमी महापर्व भव्य आयोजनों के साथ मनाया गया।

गच्छाधिपतिश्री मुहूर्त्त प्रदान करते

पू. धर्मदिवाकर, गच्छाधिपतिश्री यहाँ से विहार कर शिवगंज (राज.) नगर में पधारे जहाँ आपका श्रीसंघ ने उत्साह के साथ अनुपम गुरुभक्ति दर्शाते हुए भव्य स्वागत करते हुए शोभायात्रा के साथ नगर प्रवेश करवाया। यहाँ राजनगर में आयोजित दिनांक 23 मई 2019 को आत्मोद्धार कार्यक्रम में दीक्षा लेने वाली मुमुक्षु आत्माओं को सामूहिक दीक्षा करवाने का मुहूर्त्त प्रदान किया।

गच्छाधिपतिश्री को वन्दन करते मुमुक्षु

गच्छाधिपतिश्री ने सकल संघ की उपस्थिति में मुमुक्षु विशेषभाई भरतभाई बछू 18 थराद, मुमुक्षु मिलबेन भरतभाई बछू 23 थराद, मुमुक्षु निराली बेल हरमुखभाई धरू 27 थराद, मुमुक्षु सिल्कीबेन महेशभाई अम्बाणी 25 डीसा, मुमुक्षु निशीबेन दिनेशभाई दोशी 20 थराद, मुमुक्षु नियतिबेन नरेन्द्रभाई संघवी 23 थराद, मुमुक्षु रोशनीबेन सूरजमलजी राँका 31 हैदराबाद, मुमुक्षु रिंकलबेन कीर्तिलाल ओझा 27 थराद को अपना शुभाशीर्वाद प्रदान करते हुए मुहूर्त्त प्रदान किया।

इस शुभावसर पर गणमान्यों के अतिरिक्त हजारों गुरुभक्त की उपस्थिति रही। शिवगंज नगर में प्रथम बार मुमुक्षुओं को दीक्षा मुहूर्त्त प्रदान किया गया। शिवगंज श्रीसंघ ने भावपूर्वक सभी अतिथियों एवं मुमुक्षु आत्माओं का सेवा सत्कार किया वह अनुमोदनीय है।

यहाँ से विहार कर धर्मदिवाकर, गच्छाधिपतिश्री आदि ठाणा का सियाणा

गच्छाधिपतिश्री का सियाणा नगर में भव्य प्रवेश

नगर में गाजते-बाजते भव्य मंगल प्रवेश हुआ। यहाँ आयोजित भव्य अंजनशलाका प्रतिष्ठोत्सव की तैयारियों का अवलोकन करते हुए उचित निर्देश प्रदान किए।

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

SCAN ME

* रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक *

http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur
bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222
www.bhandavpur.com
पेढ़ी +91-7340019702-3-4
BTveer

आचार्यदेवश्री का साँथू में भव्य प्रवेश

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी महाराजा के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं मुनिराजश्री वीररत्नविजयजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का साँथू में बैण्ड-बाजों सहित भव्य प्रवेश हुआ।

मुनिराजश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा. के देवलोकगमन निमित्त पंचाह्निका महोत्सव भी प्रारम्भ हुआ। आचार्यदेवेशश्री के नगर प्रवेश में निकटवर्ती नगरों के अनेक भक्तगण पधारे। प्रातः 8 बजे चूरा में सामैयापूर्वक प्रवेश कर नवकारसी पश्चात् साँथू पधारे।

सायं रेवतड़ा से श्री जुगराजजी ओटमलजी वेदमुथा व 60 सदस्य संघ प्रतिनिधि सहित पधारे। यहाँ दिनांक 24 से 26 जनवरी 2019 तक आयोजित रत्नत्रयी महोत्सव हेतु विनती की तथा प्रभु को आँगी समर्पण कार्यक्रम में निश्रा प्रदान करने की सविनय विनती की।

रेवतड़ा में गुरुदेवश्री का मंगल प्रवेश

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी महाराजा के पट्टधर सूरिमन्त्राराधक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का रेवतड़ा में श्रीमती पाबुदेवी ओटमलजी गोराजी वेदमुथा परिवार द्वारा आयोजित रत्नत्रयी धर्मोत्सव में आयोजित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में पावन निश्रा प्रदान करने हेतु आम चैहटे पर ढोल-ढमाकों के साथ सामैया किया गया। इसके पश्चात् वरघोड़े के रूप में नगर परिभ्रमण करते जैन धर्मशाला पहुँचे। वहाँ जिन मन्दिर में दर्शन वन्दन करने के बाद खुशहाली की मंगलकामना की। महिलाएँ मंगल गीतों से पूज्य आचार्यश्री को बधा रही थी।

अपने उद्गार प्रकट करते हुए आचार्यदेवेशश्री ने सभी को जीवन में प्राणीमात्र के कल्याण की कामना रखते हुए कार्य करने एवं जीवों के प्रति दयाभाव रखने का सन्देश दिया। जैनधर्म अहिंसा के माध्यम से जीओ और जीने दो के सिद्धान्त पर चलता है।

धर्मोत्सव में जैनाचार्यश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. की निश्रा में गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी गुरुपद महापूजन विधिकारक के संयोजन में लाभार्थी परिवार द्वारा वाद्ययन्त्रों की सुमधुर स्वरलहरियों के साथ विधिविधान के साथ किया गया हजारों गुरुभक्तों के उपस्थिति में प्रभु आँगी समर्पण के समय हेलिकोप्टर द्वारा पुष्प वर्षा की गई। इस अवसर पर उपसरपंच श्री जोगराजजी जैन, मदनलालजी, रमेशकुमारजी, जयन्तीलालजी, प्रवीणकुमारजी आदि गुरुभक्त उपस्थित थे।

परिषद् द्वारा बेंगलोर में गुरु सप्तमी

उदयपुर (स.सं.)

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् एवं महिला परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में गुरु सप्तमी महापर्व के उपलक्ष्य में प्रातः 7 बजे रत्नमणि माणेक एवं सर्व औषधि युक्त महाभिषेक किया गया। 10 बजे भव्य वरघोड़ा निकाला गया जिसमें संघ एवं परिषद् सदस्यों ने विशाल संख्या में पधार कर गुरुदेवश्री के जयघोष से पूरे वातावरण को गूँजायमान कर दिया। परिषद् द्वारा चिकपेट में 300 गुरुभक्तों को आयम्बिल करवाने का लाभ लिया गया। दोपहर गुरुदेव की अष्टप्रकारी पूजा पढ़ाई गई। रात्रि में गुरुभक्ति का भव्य कार्यक्रम किया गया जिसमें दीक्षार्थियों का बहुमान भी किया गया। सामूहिक महाआरती की गई।

नवीन कार्यकारिणी में डाँगी अध्यक्ष

उदयपुर (स.सं.)

तरुण परिषद् शाखा निम्बाहेड़ा के संरक्षक श्री सुशील सिंघवी के सान्निध्य में तरुण परिषद् की नवीन कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें सभी युवा कार्यकर्त्ताओं की सहमति से अध्यक्ष पद पर दिव्यांशु डाँगी, उपाध्यक्ष- रूपेश सिसोदिया, महामन्त्री- भावेश सिंघवी, वित्तमन्त्री- साहिल जैतावत, कोषाध्यक्ष- अभिषेक चपलोत, संगठनमन्त्री- रवि चौरड़िया, सह संगठनमन्त्री- भारत सिंघवी, मीडिया प्रभारी- हिमांशु काँठेड़, सह मीडिया प्रभारी- यश चपलोत, निर्देशक श्री सुशील सिंघवी, राहुल सिसोदिया, अभिषेक वडारा, संरक्षक श्री रवि मोदी, सन्तोष काँठेड़, ऊषा सिसोदिया प्रवीण पालेचा का चयन कर पूर्ण सहमति से पदभार सौंपा गया।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।

कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991

e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

Scanned by CamScanner

सम्पूर्ण भारत में गुरु सप्तमी महापर्व पर धार्मिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के दिव्याशीष से एवं पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के शुभाशीर्वाद से सम्पूर्ण भारत में ग्राम-नगरों में कलिकाल-कल्पतरु, प्रातःस्मरणीय विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की 192 वाँ अवतरण दिवस एवं 112 वाँ निर्वाण दिवस अनेक धार्मिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में आयोजित किए गए।

मुम्बई में मोहनखेड़ा

श्रुत-प्रभावक मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में गुरु सप्तमी महापर्व अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। लगभग तेरह दिन तक विविध संघ में मुनिराजश्री के प्रवचन हुए एवं गुरु सप्तमी पर भव्य त्रिदिवसीय महोत्सव आयोजित किया गया। जिसमें विशाल संख्या में पधारे गुरुभक्तों ने गुरुदेव की पूजा की। समारोह में पाठशाला, संस्कार वाटिका के बालकों द्वारा मनमोहक अद्भुत नाटिका प्रस्तुत की। मुम्बई के विविध संघों ने साथ मिलकर ऐतिहासिक अवर्णनीय रथयात्रा प्रमुख मार्गों से निकाली गई।

इस अवसर पर आयोजित गुणानुवाद सभा में गुरुदेव को समर्पण करते हुए मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी द्वारा लिखित श्री अभिधान राजेन्द्र कोष के हिन्दी अनुवादन शब्दों के शिखर भाग-2 का विमोचन किया गया। श्री मोहनखेड़ा तीर्थ का दृश्य बनाते हुए श्री मोहनखेड़ा तीर्थ से ही लाई गई गुरुदेवश्री की प्रतिमाजी की भक्ति भावना की गई। दादा गुरुदेव के इस आयोजन में गुरुभक्तों का उत्साह, गुरुभक्ति देखने योग्य थी। लगभग दस हजार से अधिक गुरुभक्तों का समर्पित योगदान सम्पूर्ण महोत्सव में रहा जो अनुमोदनीय है। आयोजन को देख कर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मानो मुम्बई की धरा पर मोहनखेड़ा का अवतरण हुआ है। कार्यक्रम आयोजक गुरु राजेन्द्र परिवार मुम्बई था।

पाटण नगर में अविस्मरणीय गुरु सप्तमी

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ पाटण द्वारा नगर में विराजित मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. एवं मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा तथा साध्वीश्री तत्त्वलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में विश्वपूज्य दादागुरुदेव का जन्म एवं निर्वाण दिवस गुरु सप्तमी पर्व त्रिस्तुतिक उपाश्रय के श्री राज राजेन्द्र-जयन्तसेनसूरि ज्ञान मन्दिर में महोत्सवपूर्वक आयोजित किया गया।

गुरु सप्तमी के मंगलमय कार्यक्रमों में प्रातः 7.30 बजे गुरु स्मरण पाठ, 9 बजे भव्य शोभायात्रा बगवाड़ा दरवाजे से त्रिस्तुतिक उपाश्रय तक निकाली गई जो नगर के प्रमुख मार्गों से परिभ्रमण करती उपाश्रय में गुरु गुणानुवाद सभा में परिवर्तित हो गई। गुणानुवाद सभा में पुण्य-सम्राट गुरुदेव के शिष्यरत्नों के साथ सागर समुदाय के श्री ऋषभचन्द्रसागरजी म. सा. एवं तेरापन्थ समुदाय के आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्यरत्नश्री कमलमुनिजी म. सा. आदि 30 श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा रही। सभी ने दादा गुरुदेवश्री के द्वारा की गई उत्कृष्ट जिनशासन प्रभावना के कार्यों एवं विशेष रूप से अभिधान राजेन्द्र कोष पर गुणानुवाद किया।

गुणानुवाद सभा में गुणानुवाद करते हुए पण्डितश्री चन्द्रकान्तभाई ने आगामी गुरु सप्तमी तक प्रतिदिन अभिधान राजेन्द्र कोष के एक पृष्ठ का स्वाध्याय करने का अभिग्रह लिया और जिस दिन कारणवश स्वाध्याय रह जाये तो उस दिन भोजन में से आवश्यक द्रव्य का त्याग रखेंगे। अनेक गुरुभक्तों ने भी उपकारी गुरुदेव के उपकारों का स्मरण करते हुए गुणानुवाद किया। सभा में पाटण मूर्त्तिपूजक श्रीसंघ के विभिन्न समुदायों एवं तेरापन्थ और स्थानकवासी समुदाय के श्रावक-श्राविकाएँ विशाल संख्या में उपस्थित थे।

दोपहर 12 बजे सामूहिक आयम्बिल तप, 2 बजे श्री राजेन्द्रसूरि अष्टप्रकारी पूजा एवं सायं 7 बजे महाआरती तथा भक्ति-भावनादि कार्यक्रम हुए। प्रातः गुरु स्मरण पाठ में त्रिस्तुतिक श्रीसंघ पाटण की ओर से रजत सिक्के की प्रभावना की गई, पाटण नगर में प्रथम बार ऐसा आयोजन हुआ कि जिसमें सभी समुदायों की उपस्थिति रही। गुरुपद पूजन, आयम्बिल तप एवं गुणानुवाद सभा में ड्रायफ्रूट्स पैकेट की प्रभावना के लाभार्थी बागरा (राज.) निवासी श्री दिलीपकुमारजी शेषमलजी अग्नि परमार गौत्र परिवार मधुकर इन्टरप्राईजेज एलूर/विजयवाड़ा एवं शोभायात्रा के आयोजन का लाभ श्री धनराजजी जवानमलजी भूतिवाला परिवार पाटण ने लिया। परमात्मा की अंगरचना का लाभ श्रीमती पवनीबाई कपूरचन्दजी परिवार, गुरुदेव की अंगरचना का लाभ श्रीमती रंजनबहिन महेन्द्रभाई परिवार और भक्ति भावना और जीवदया के कार्यक्रम का लाभ त्रिस्तुतिक श्रीसंघ के विभिन्न गुरुभक्तों ने लिया। कुणालभाई सुराणी व पाटण के बाल कलाकार प्रेम प्रजापति ने सुरों से भावों की अभिवृद्धि की।

साध्वीश्री की निश्रा में गुरु सप्तमी महोत्सव

जावरा नगर में साध्वीश्री अविचलदृष्टाश्रीजी म. सा. आदि की निश्रा में गुरु सप्तमी की पूर्वसंध्या पर बच्चों का दो घण्टे का शिविर आयोजित हुआ जिसमें 90 बच्चों द्वारा सामायिक की गई। श्री धरू ने बच्चों को प्रोत्साहित किया।

गुरु सप्तमी पर्व पर साध्वीजी द्वारा सामायिक बीमा की शपथ दिलवाई जिसमें 40 श्रावकों और 85 श्राविकाओं ने शपथ ली। गुणानुवाद सभा आयोजित की गई व श्री राजेन्द्रसूरि अष्टप्रकारी पूजा पढ़ाई गई। सायं भव्य आरती की गई।

नागदा (म. प्र.)

गुरु सप्तमी पर्व पर अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् नागदा के तत्वावधान में आज गोपाल गौशाला में मूक पशुओं को गुड़, खल व चारा वितरीत किया गया। दोपहर को श्री राजेन्द्रसूरि अष्टप्रकारी पूजा पढ़ाई गई।

दलौदा (म. प्र.)

गुरु सप्तमी पर्व पर सकल जैन श्रीसंघ दलौदा के तत्वावधान में गुरुदेव के चित्र के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के पश्चात् भव्य आरती की गई व सकल संघ का स्वामीवात्सल्य रखा गया। दोपहर को महिला मण्डल द्वारा श्री राजेन्द्रसूरि अष्टप्रकारी पूजा पढ़ाई गई।

बड़ावदा (म. प्र.)

गुरु सप्तमी पर्व विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाई गई। सकल श्रीसंघ द्वारा गुरुदेव के चित्र के साथ चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों का परिभ्रमण करता हुआ आदिनाथ जैन मन्दिर पहुँचा जहाँ दर्शन के बाद आयोजित गुणानुवाद सभा में कई वक्ताओं ने दादा गुरुदेव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए गुणानुवाद किया। स्वामीवात्सल्य सातम ग्रुप द्वारा आयोजित किया गया। श्री सुशील सकलेचा ने जानकारी देते हुए बताया कि संध्या भक्ति व आरती अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक/महिला/तरुण परिषद् बड़ावदा द्वारा आयोजित की गई।

करवड़ (म. प्र.)

गुरु सप्तमी पर्व पर करवड़ नगर में श्री राज राजेन्द्र-जयन्त ज्ञान मन्दिर में प्रातः भक्तामर एवं गुरुगुण इक्कीसा पाठ किया गया। 8 बजे स्नात्र-पूजा की गई। दोपहर 1 बजे श्री राजेन्द्रसूरि अष्टप्रकारी पूजा पढ़ाई गई जिसका लाभ श्री पारसमलजी मोतीलालजी भण्डारी परिवार ने लिया व महिला मण्डल द्वारा पूजन पढ़ाई गई। सायं सामूहिक जाप एवं भव्य आरती की गई।

कालूखेड़ा (म. प्र.)

गुरु सप्तमी पर्व पर त्रिस्तुतिक श्वेताम्बर जैन श्रीसंघ कालूखेड़ा द्वारा गुरु गुणानुवाद, वरघोड़ा, स्वामीवात्सल्य एवं 108 दीपक से महाआरती की गई। श्री दीपक भण्डारी ने बताया दोपहर को श्री राजेन्द्रसूरि गुरुपद महापूजन पढ़ाई गई।

नागानो केन (जापान)

गुरु सप्तमी पर्व पर सामूहिक नवकार जाप, एकासन एवं चौवीहार उपवास हुए। दादा गुरुदेवश्री की सामूहिक आरती की गई। इस आयोजन को आयोजित करने में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की परम गुरुभक्त जापान की तुलसी बहन का योगदान अविस्मरणीय रहा।

Scanned by CamScanner

सायला नगर में बाफना परिवार द्वारा आयोजित पंचाह्निका महोत्सव की चित्रमय झलक

भाण्डवपुर तीर्थ में गुरु सप्तमी एवं 45 दीक्षा दिवस... (शेष पृष्ठ एक का)

इस अवसर पर मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा., मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा., मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. के साथ शाह मोड़मलजी बाफना, भँवरलालजी, लखमीचन्दजी, माँगीलालजी, जयन्तीलालजी बाफना, अशोककुमारजी, महावीरकुमारजी, प्रकाशकुमारजी, हितेशकुमारजी, प्रकाशजी भण्डारी, विक्रमजी फोलामुथा आदि विशाल संख्या में श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित थे। प्रतिदिन विभिन्न संगीतकारों ने भक्ति की मधुर धुनों से वातावरण को भक्तिमय बनाते हुए भक्तों का मन मोह लिया वहीं लाफ्टर कलाकारों ने स्वस्थ मनोरंजन करते हुए हास्य के माध्यम से वाहवाही लूटी।

अन्तिम दिन आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. एवं साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभमय निश्रा में भव्य शोभायात्रा सकल श्रीसंघ के साथ बाफना परिवार के निवास स्थान से प्रारम्भ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई श्री पार्श्वनाथ जैन मन्दिर पहुँची जहाँ आयोजक परिवार के शाह मोड़मलजी बाफना ने स्वर्ण सीढ़ी का समर्पण किया। अपने धर्म सन्देश में एकता के सजग प्रहरी गुरुदेवश्री ने कहा कि सद्कर्मों के उपार्जन से मनुष्य को साधु भगवन्तों की निश्रा प्राप्त होती है। इसलिए सांसारिक मोह-माया को त्यागकर जीवन में अवश्य रूप से जप-तप-त्याग आदि धर्मक्रियाएँ करना चाहिये। क्योंकि जैनधर्म की अहिंसा और जीवदया के रूप में जगत में विशिष्ट पहचान है।

योगी-वाणी

मानव जीवन अपने आपमें बड़ा शक्ति सम्पन्न है। आवश्यकता है स्वयं की शक्तियों को पहचानने की, एक दृढ़ संकल्प की, जूनून की। नकारात्मक विचारों को त्यागकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित करो। सफलता तुम्हारा आलिंगन करने को तैयार खड़ी है।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डॉगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्त पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अनिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना-प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है।
चेक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजे।

✲ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ✲ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित

Scanned by CamScanner